JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध के स्थानिक प्रतिरूप का अध्ययन, अनुसंधान **क्रियाविधि, विधि तंत्र, शोधकार्य का अनुमानित समय**

(जयपुर शहर के संदर्भ में)

Author – Sonu Verma.

At Present Research Working Research Scholar at Maulana Azad University, Jodhpur, Rajasthan.

अनुसंधान क्रियाविधि ;Research Methodology) इन साफ्टवेयर एपे की मदद से शोध के क्षेत्र में उपयागे कर सकते हैं जो निम्न प्रकार है & a. सेफ्टी पिन

b. वूमेन सिक्यूरिटी ऐप
c. शेक2 सेफ्टी
d. बीसेफ
e. स्मार्ट 24'7
f. रक्षा एपे
g. एसओएस
h. निर्भया : निडर रहो
i. नारी सुरक्षा कवच संरक्षण
j. टेलटेल
k. नागरिक सीओपी

अध्ययन क्षेत्र मं` सम्बन्धित विषय के अध्ययन हते॒ प्रमुख रूप से तीन स्रोतो से साक्ष्य संगद्दीत किये जायेंगे है–

(क) लिखित अभिलेख–प्रस्तुत अध्ययन में राजस्थान के जयपरु जिले का गजेटियर, जिला जनगणना हस्तपुस्तिका जयपुर शहर (1981, 1991, 2001, 2011), जिला सांख्यिकीय पुस्तिका, सामाजिक–आर्थिक पत्रिका, जयपुर षहर, जयपुर जिला, राजस्थान (2011, 2012, 2013, 2015, 2018, 2019, 2020, 2021) का प्रयागे किया जायगे ा। इसक`अतिरिक्त भौगोलिक ग्रन्थों, षाधे ा प्रबन्धां` तथा इतिहास, धर्म, दर्शन

और समाज पर आधारित पुस्तकों का अध्ययन, क्षेत्र की समस्त भौगोलिक जानकारी हेतु उपयोग किया गया है। साथ ही साथ कुरूक्षेत्र, भगू ोल और आप, याजे ना, प्रतियोगिता दर्पण जैसी अनेक पत्र–पत्रिकाओं की सहायता से भी तथ्यों एवं आंकड़ों का संकलन किया जायेगा।

(ख) मानचित्र–प्रस्तुत षोधकार्य में अनेक प्रकार के मानचित्रों का उपयागे किया जायगे ा। जिनमें जिला ग्रामीण अभियान्त्रण सेवा विभाग, जिला जयपुर द्वारा प्रदत्त मानचित्र, जिला जनगणना मानचित्रावली, सांख्यिकी विभाग द्वारा जारी मानचित्रावली, आदि द्वारा प्रदत्त मानचित्र प्रमुख है।

(ग) प्राथमिक साक्ष्य व्यक्तिगत सर्वेक्षण एवं साक्षात्कार–षोध के आकड़ों के संकलन में प्राथमिक एवं द्वितीयक दाने ों ही स्रोतों का उपयागे किया जायेगा, लेकिन पूर्व मं ेकिये गये शोध कार्यो में मुख्यतः द्वितीयक आकड़ों का ही प्रयागे किया गया ह।ै प्राथमिक स्रातो ें के अन्तर्गत षोधकर्ता द्वारा क्षेत्रीय कार्य एवं क्षेत्रीय सर्वक्ष् ाण का सहारा लिया जायगे ा। नगर के विभिन्न सीनों पर जाकर नगर के भौतिक एव ं सामाजिक स्वरूप का भलीभाँति निरीक्षण किया जायगे ा। विधि तन्त्र

प्राथमिक व द्वितीयक आंकड़ों का तालिकाओं, मानचित्रा ें तथा सांख्यिकीय विधियां ें द्वारा विष्लेशण किया जायगे ा। विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय सूत्रों का उपयोग किया जायेगा। जिसमें महिला अपराध की क्षेत्रीय विभिन्नता क े परिकलन हेतु क्षत्रे ीय विभिन्नता गुणाकं सूत्र का प्रयोग किया जायेगा। अपराध के स्तर का पता लगाने के लिए प्रयुक्त तत्वों के आधार पर सांख्यिकीय विधियों एवं मानक मूल्यां े की सहायता से सारणियों का निर्माण किया जायेगा।

$$sd \text{ त्र } \frac{X - X}{sd}$$

ग त्र प्रयुक्त तत्व

X त्र समानान्तर माध्य ेक

त्र मानक विचलन

1- क्षेत्रानुसार प्रयुक्त सभी तत्वां े के मानक मल्यों के योग से सकल मूल्य ज्ञात करना।

2- कम्पोजिट इंडेक्स ज्ञात करना।

$$CI \text{ त्र } \frac{Gross\ Value}{No\text{ण}\ of\ Variables}$$

3- कम्पोजिट इंडेक्स के आधार पर विकास कटिबध्ं ाे ंका निर्माण द्वितीयक स्रोत के अन्तर्गत नगर के प्रकाशित एवं अप्रकाषित, सरकारी तथा व्यक्तिगत स्रोतों की सहायता ली जायगे ी। इन स्रातों मं ेजयपरु षहर का गजेटियर, विभिन्न दशकों की जिला जनगणना पत्रिकाए,ं जिले की सांख्यकीय पत्रिकाएं, आर्थिक योजना इत्यादि। अपराध संहिता के अध्ययन हेतु देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों (महर्षि दयानंद सरस्वती विष्वविद्यालय अजमरे , राजस्थान विश्वविद्यालय, दिल्ली विष्वविद्यालय, जे0एन0यू0, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय) के पुस्तकालयों एवं अन्य पुस्तकालयां े स ेपठनीय सामग्री एकत्र किया जायगे ा। आकड़ों के एकत्रण के प्ष्चात् मानचित्रों के निर्माण के लिए जयपुर

षहर से सम्बन्धित भपू त्रक नगर निगम से प्राप्त कर योजना मानचित्र तथा इमेज का प्रयोग किया जायेगा।

शोधकार्य का अनुमानित समय – प्रथम वर्ष के अन्तर्गत 6 माह तक साहित्य का पुनरावलोकन, बाद के 6 माह में शाधे ाार्थी द्वारा आंकड़ों का संग्रहण, सारणीयन, पुस्तकालय विजिट किया जायेगा। द्वितीय वर्ष में आंकड़ों का विश्लेषण, मानचित्रीकरण, प्रतिवेदन लेखन किया जायेगा। तृतीय वर्ष में अध्ययन का विश्लेषण, प्रतिदर्श सर्वेक्षण तथा परिणामों का तुलनात्मक अध्ययन करने के पश्चात् लेखन कार्य सम्पूर्ण कार्य कर टंकण हेतु दिया जायेगा। साथ ही शोध प्रबंध का प्रस्तुतीकरण कर इसे इतिश्री प्रदान की जायेगी।

समय	अनुसंधान कार्य विवरण
प्रथम वर्ष ;द्ध 6 माह ;इद्ध 6 माह	साहित्य का पुनरावलाके न आंकड़ों का संग्रहण, सारणीयन, पुस्तकालय विजिट
द्वितीय वर्ष	आंकड़ों का विश्लेषण, मानचित्रीकरण, प्रतिवदे न लखे ान
तृतीय वर्ष	अध्ययन का विश्लेषण, प्रतिदर्श सर्वेक्षण तथा परिणामां का तुलनात्मक अध्ययन

संदर्भ सूची

1- नाटाणी, नारायण प्रकाश (1999); "भारत में कन्या भ्रूण हत्या एवं महिलाओं घरेल ू हिंसा", जयपुरः बुक एन्कवल।

2- कुमार, प्रसन्न (2000): जनपद बदायूँ में अपराधां का विश्लेषण, अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, पृ. 135.

3- खण्डेला, मानचन्द (2000); "समाज और नारी", जयपुरः अरिहन्त पब्लिकेशन्स।

4- अंसारी, एम.एन (2000); "महिला और मानव अधिकार", जयपुरः पंचषील प्रकाषन।

5- द्विवदे ी, पूनम (2000); "नारी अंतरदर्पण और समाज", नई दिल्लीः अजुर्न पब्लिशिगं हाउस।

6- तिवारी, आर.सी. (2001): अधिवास भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृ. 31.

7- पाण्डे, सविता (2002): फर्रूखाबाद जनपद में अपराधां का स्थानिक विश्लेषण, अप्रकाशित शाधे ा प्रबन्ध, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, पृ. 103.

8- आहुजा, राम (2002); "सामाजिक समस्या", जयपुरः रावत पब्लिकेशन।

9- श्रीवास्तव, आशारानी (2004); "महिला शाषेण मानवाधिकार", नइ दिल्लीः अर्जुन पब्लिशिगं हाउस।

10- गुप्ता, एम.एल, शर्मा, डी.डी. (2004); "समाजशास्त्र", आगराः साहित्य भवन पब्लिकेशन। 11. सरस्वती, स्वप्निल (2005); "महिला विकास एक परिदृश्य", नई दिल्लीः नमन प्रकाशन।

12- द्विवदे ी, राकेश (2005); "महिला सशक्तिकरण", भोपालः चौमुत्यार रानीस्त्या, पौरूष प्रकाशन।

13- शर्मा, प्रभा (2006); "महिलाओं के प्रति अपराध", जयपुरः पाइे न्टर पब्लिशर्स।

14- रावत ज्ञानेन्द्र (2006); "औरतः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन", नई दिल्ली, विश्वभारती पब्लिकेशन।

15- जैन, दीपा (2007); "महिला सुरक्षा एव महिला पुलिस", जयपुरः राजस्थान हिन्दी गंथ्र ा अकादमी।

16- महाजन, धर्मवीर (2013); "भारत मं समाज", नई दिल्लीः विवेक पक्राशन।

17-रावत, हरिकृष्ण (2015); "सामाजिक शोध की विधियाँ", जयपुरः रावत पब्लिकेशन।

18-आहूजा, राम (2015); "सामाजिक अनुसंधान", जयपुरः रावत पब्लिकेशन।

19-खत्री, रीवा (2018); "अपराधशास्त्र", भोपालः कैलाश पुस्तक सदन।

20-बघेल, किरण (2018); "सामाजिक विघटन एवं अपराधशास्त्र", भोपालः कैलाश पुस्तक सदन।

21-सिंह, अनिता (2019); "लिंग एवं समाज", दिल्लीः विवके प्रकाशन।

22-आर्य, विनोद कुमार (2021); "महिलाओं के कानूनी अधिकार", जयपुरः यूनिवर्सल बुक कम्पनी।

23-आहुजा, राम (2021); "सोशल प्रॉब्लम इन इंडिया", जयपुरः रावत पब्लिकेशन।

24-बांगिया, हिंमाशु (2021); "अपराध कानून संहिता", नई दिल्लीः दी ब्राइट लॉ हाउस।

25-माण्डटेस्क्यू–स्प्रिट ऑफ को टेड बाई वार्न्स, एच.ई. एण्ड टीटर्स एन.के. पृ. 143.

26-राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड शाखा

27-महिला एवं बाल विकास विभाग, भारत सरकार

28-1748 में माण्टेस्क्यू ने अपराधों का भौगोलिक अध्ययन किया।

29-1749 में बफन ने अपराधों का भौगोलिक अध्ययन किया।

30-भारत में अपराध भूगोल के क्षेत्रीय विश्लेषण –मि. शर्मा (1975),

31-भारत में अपराध भूगोल के क्षेत्रीय विश्लेषण – शिवमूर्ति (1981),

32-भारत में अपराध भूगोल के क्षेत्रीय विश्लेषण – ए.के. दत्त और जी. वेनूगोपाल (1983),

33-भारत में अपराध भूगोल के क्षेत्रीय विश्लेषण – राधेश्याम मिश्रा (1985),

34-भारत में अपराध भूगोल के क्षेत्रीय विश्लेषण – आर.डी. सिंह (1991),

35-भारत में अपराध भूगोल के क्षेत्रीय विश्लेषण – बी. पासवान (1991),

36-भारत में अपराध भूगोल के क्षेत्रीय विश्लेषण – आर.एस. सिंह और सुधा सिंह (1992),

37-कादम, एच.एल. (2000) की पुस्तक "दि इंडियन क्रिमिनल" में भारतीय अपराधियां` की प्रमुख प्रवृत्तियां

38-भारत में अपराध भूगोल के क्षेत्रीय विश्लेषण – प्रशन कुमार (2000),

39-भारत में अपराध भगू ाले के क्षेत्रीय विश्लेषण – इलाहाबाद विश्वविद्यालय क`भगू ोल विभाग में सविता पाण्डेय (2002),

40-भारत में अपराध भूगोल के क्षेत्रीय विश्लेषण – आशुतोष त्रिपाठी (2005),

41-भारत में अपराध भूगोल के क्षेत्रीय विश्लेषण – अजय त्रिपाठी (2006),

42-कुसुमलता केडिया (2009), "स्त्रीत्व धारणाएं एवं यथार्थ", (विश्वविद्यालय प्रकाशन जून 2009)

43-भारत में अपराध भूगोल के क्षेत्रीय विश्लेषण – नवलश्े ा चतुर्वेदी (2010)

44-भारत में अपराध भूगोल के क्षेत्रीय विश्लेषण – विवेकानन्द राय (2012)

45- सीमा (2013) ने अपने शोध पत्र “हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ अपराध–बहादुरगढ़ जिले का एक केस अध्ययन का भौगोलिक अध्ययन”

46- सिंह, संगीता एवं तोमर, शैलेन्द्र सिंह (2019) द्वारा लिखित शोध पत्र “इंदौर जिल` का आपराधिक प्रतिरूप : एक भौगोलिक अध्ययन”

47- एस.एम. एडवर्ड्स द्वारा लिखी “क्राइम इन इंडिया” में अपराधों की परिस्थितियां